

OM
FORM No. 29
(RULE 827)

SD no. 11567
Emphatic Realton
K-399
Lrd.

CERTIFICATE OF SEARCH

Certificate of 2010/01/03

Application No. 981 of 12

Shri. डिलीप सिंह have applied to me for a Certificate giving particulars of registered act and encumbrances, if any, in respect that undermentioned property.

जोद दिवार गुरु-चमपुजाली पुस्तक वरु 358 जिनगी वरिष्ठ
जामा 60 40 जोद नं 60 जिनगी 0.673 जोद का जमका जिनगी
पुस्तक नं 3 पुस्तकाली जिनगी जिनगी जमका वरु 358

(To be states and described as given in the application)

I hereby certify that search has been made in Book Land in the relatir there to from he year 1982 to the year 25-5-10 of facts and encumbrances affection he Said Property and that on such the following facts and encumbrances appears:-

Sl. No.	(a) Description of the property is given in the documents	Date of execution	Tenure & Value of documents	Name of the Parties Exeed rant claimant	Reference of No. year
	<u>(पुस्तकाली पुस्तकाली) जिनगी जमका वरु 358 जिनगी जमका वरु 358</u> <u>जमका जिनगी (जिनगी) जिनगी जमका वरु 358 जिनगी</u>				

I also certify that have there aforesaid act and encumbrances on the acts and effecting the said property have been found,
Search made certificate prepared by -

Signature
(Designation)

Search made and certificates examined by--

Signature
(Designation)

Office: 3/5/8
Date: 20/10/10

SEAL

NOTE

The act and encumbrances show in this Certificate are those discovered with reference to the description of property furnished by the applicant. If the same properties been described in registered documents in manner different from the view in which the have applicant has described those transaction evidenced by such documents all not be included in the certificate.

The require search has been as carsfully as possible by the office but the department will not pay account, hold itself responsible for errors the results of the search embodied in the certificate.

This certificate does not include documents if any which have been presented but have not been registered up-to-date.

Signature
Signature of the Register
सब रजिस्ट्रार दादरा
गौरीपुत्र



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 709707

1

विक्रय-पत्र

बैनामा अंकन 25,20,000/- रुपये।

स्टाम्प अंकन 1,76,500/- रुपये।

विवरण विक्रय सम्पत्ति:- कृषि भूमिधरी के खाता नं0 48 के खेत नं0 60 रकबा 0.6730 हैक्टेयर लगानी रुपये 20=75 पैसे सालाना का 1/4 भाग सम्पूर्ण अपना 0.1683 हैक्टेयर भूमि को बैनामा हाजा में बेचा गया है स्थित ग्राम चमरावली रामसढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर।

[Signature]


[Signature]


स्टाम्प नं. 103 25/11/20
स्टाम्प नं. में शामिल किया गया
उप रोकड़िया

[illegible]

3125 21/12/20 (P.M.)

25 20000 फाल राज 0 16000
 भारत 20 योग 10020 शब्द लगन 600
 दिवान सिंह
 श्री 0 10000 10000
 दासी 0 10000 10000
 कार्यालय सव रजिस्ट्रार दायरी जिला
 बुद्ध नगर में आज दिनांक 12/10/10
 मध्य 4 बजे प्रस्तुत किया

सब रजिस्टार
12/10/10

इस लेखपत्र का संपादन एवं इसमें लिखे
जरेबदल मु० २५२००००
जिसमें से
साद मेरे सपना पाकर उक्ता श्री दि ला वा

[illegible]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 709708



2

विक्रेता एवम् क्रेता दोनों अनुसूचित जाति एवं जनजाति से नहीं है।

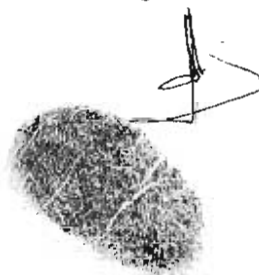
विक्रीत भूमि ग्राम समाज पट्टे व भूदान पट्टे आदि की नहीं है। संक्रमणीय भूमिधरी दर्ज है।

विक्रीत भूमिधरी भूमि जिसका सर्किल रेट 85,00,000/- रुपये प्रति हैक्टेयर का है। किन्तु कम्पनी द्वारा सर्किल रेट से अधिक पर स्टाम्प शुल्क अदा किया गया है।

विक्रीत भूमि किसी जी0टी0रोड, राज्य रोड व लिंक रोड पर स्थित नहीं है

विक्रीत भूमि की बाबत क्रेता व विक्रेता दोनों पक्षों के मध्य पूर्व में कोई इकरारनामा माहदा वय पंजीकृत नहीं हुआ है।

A. S. Sanyal



कार्यालय छप कोषागार
दादरी

12 OCT 2010

स्टाम्प नं. 104 25/10/10

स्टाम्प नं. 103 में शामिल किया गया
छप सेकुरिया

पुनः प्रेषण का पी डी
विषय आपका 21/10/10 छोटी
निवासी कुलपति वरुण
वै. श्री वर्णिका
पुनः श्री गिरिजा छोटी
निवासी गिरिजा
वै. श्री

सब रजिस्टार 21/10/10



हरिप्रिय

अनुराधा

12/10/10

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.
25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.
25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES



For Identification

3

A 709709

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

मैं कि दिलावर सिंह पुत्र स्व० श्री राजपाल सिंह जाति जाट निवासी ग्राम चमरावली रामगढ़, मुख्यारेआम ओर से राजकुमार सिंह पुत्र स्व० श्री राजपाल सिंह जाति जाट, निवासी ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर मुख्यारनामा आम रजिस्ट्रीशुदा बही नं०-4 जिल्द-15, पृष्ठ-171/180 दस्तावेज नम्बर-112 दिनांक 17-07-2010 को उपनिबन्धक कार्यालय दादरी में पंजीकृत है। मुख्यारनामा आम कर्ता आज दिन तक जीवित है जो आज दिन तक बदस्तूर कायम है। (विक्रेता, फरीक अव्वल)।

एवम्

मैसर्स एम्पैथिक रियलेटर्स लिमिटेड, 1202 अन्तरिक्ष भवन, 22 कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली 110001 द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षरी गीता राम त्यागी पुत्र स्व० श्री दाताराम त्यागी निवासी अपर बेसमेंट, अंसल प्लाजा, नॉलिज पार्क प्रथम, इन्स्टीट्यूट एरिया, गेट नौएडा, जिला- गौतमबुद्धनगर, पिन-201308 (उत्तर प्रदेश) (क्रेता फरीक दोयम)।

Signature



Signature



12 OCT 2010

स्टाम्प नं० 105 2500
स्टाम्प नं० 103 में शामिल किया गया
उप रोकडिया

3777 2579 UTTARAPRADESH

जॉब सीताच हांची लागणार मिळी ०८२५ ह्या ठिकाणी जॉब ही
मिळी ०८१६ लागणार आहे, जॉब हांचे विभाग माला दिवाळी
दिवाळी जॉब सीताच हांची लागणार मिळी ०८१७
-लागी दिवाळी लाईव्ह च फिल्लर काढाय
०-०८३ मिळी जॉब हांची लागणार आहे लागणार आहे
काढाय ०८१८-०८१९ जॉब हांची लागणार आहे ०८१९
। हे मिळी जॉब ही जॉब हांची लागणार आहे लागणार आहे
कडी लागणार मिळी जॉब हांची लागणार आहे लागणार आहे
। (लागाय काढाय, कडाय) । हे लागणार



संकेत

(संयोजित कर्तव्य) (संयोजित कर्तव्य) 898705



A 709710

4

विदित हो कि विक्रित सम्पत्ति जिसका फरीक अव्वल एकमात्र मालिक व संक्रमणीय भूमिधर स्वामी है। जोकि आज दिन तक फरीक अव्वल की ओर से हर प्रकार के भार, बंधक आदि से पाक साफ व सुरक्षित है। यानि कि किसी भी स्थान पर आड़, रहन, बय, हिबै, माहदाबय, जमानत आदि से ग्रस्त नहीं है तथा उपरोक्त भूमि की बाबत किसी भी न्यायालय में कोई वाद विवाद विचाराधीन नहीं है तथा फरीक अव्वल के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति हकदार या हिस्सेदार नहीं है। कोई कारण बाधा का उपरोक्त भूमिधरी भूमि को विक्रय करने

A. Sanyal



[Signature]



भारतीय न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.
25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.
25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES



INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 709711

5

में नहीं आता है। अतः फरीक अब्बल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि व स्थिर चित्त की दशा में खूब सोच समझ कर बिना किसी दबाव व बहकाव के उक्त भूमि को सर्व अधिकार सहित आज की बजार कीमत के बदले अंकन रुपये 25,20,000/- (पच्चीस लाख बीस हजार रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन रुपये 12,60,000/- होते हैं में इसी समय से हाथ उपरोक्त फरीक दायम को बेच दी तथा कतई वय कर दी तथा समस्त विक्रीतधन अर्थात् भूमि की कुल कीमत निम्नलिखित अनुसार प्राप्त करके बेची भूमि को कब्जे अधिकार अपने से फरीक दायम में देकर उस पर फरीक दायम को अपने ही समान

[Signature]


[Signature]


कार्यालय उप कोषागार
दादरी

12 OCT 2010

स्टाम्प नं० 197 257
स्टाम्प नं० 103 में शामिल किया गया
उप रोकड़िया

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 709712

6

मालिकाना मालिक काबिज व दखिल कर दिया है। अब बैय किये पश्चात् विक्रीत भूमि के किसी भी अंश से फरीक अव्वल व वारिसान फरीक अव्वल का कोई वास्ता या ताल्लुक किसी भी किस्म का शेष नहीं रहा है तथा ना ही भविष्य में होगा। कब्जा मौके पर फरीक दोयम को बहैसियत मालिक पूर्ण रूप से करा दिया है। अब आज की तारीख से ही फरीक दोयम को सर्वथा हक व अधिकार होगा कि वह खरीदकर्ता कृषि भूमिधरी को जिस प्रकार चाहे प्रयोग मालिकाना अपने में लाकर चाहे जिस प्रकार से मालिकाना लाभ उठावें। यदि विक्रीत भूमि का कोई अंश किसी भी नुकश कानूनी कमी आदि

[Signature]





17 OCT 2010
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 709713

7

के कारण से कब्जे मालिकाना क्रेता फरीक दोयम से निकल जावेगा या कब्जा फरीक दोयम को न मिले या फरीक अव्वल मालिकाना मालिक हस्ताक्षरकर्ता सिद्ध न हुआ या अन्य किसी कारण से कब्जे मालिकाना फरीक दोयम से कुल या आंशिक रूप से निकल जावेगी तो हर ऐसी दशा में फरीक दोयम को हक होगा कि वह उस समय की बजारू कीमत को जिस प्रकार चाहे बजरिये अदालत फरीक अव्वल व वारसान फरीक अव्वल की अन्य चल व अचल सम्पत्ति से वसूल कर लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। दाखिल खारिज बेची भूमिधरी का बनाम फरीक दोयम के करा दूंगा या फरीक दोयम इस विक्रय पत्र के आधार पर सरकारी अभिलेखों में अपना नाम स्वयं दर्ज करा लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। विक्रीत भूमि कृषि भूमि है तथा आस-पास भी कृषि भूमि है। विक्रीत खेत नम्बर 60 की चौहद्दी पूरब में खेत नम्बर-56, पश्चिम में चक मार्ग, उत्तर में चक मार्ग व दक्षिण में खेत नम्बर-61 है।

[Signature]



कार्यालय सप्त कोषागार
वापसी

12 OCT 2010

स्टाम्प नं० 109 257
स्टाम्प नं० 103 में शामिल किया गया
उप रोकड़िया

00000
TENTY FIVE THOUSAND RUPEES

00000
TENTY FIVE THOUSAND RUPEES

31 OCT 2010
UTTAR PRADESH

महोदय को सौदर्यपूर्ण दिवस में शुभकामनाएं
आशा है कि आप इस समय स्वस्थ और सुखी होंगे
आपके पत्र का उत्तर दे रहा हूँ। आपकी जानकारी के लिए
आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपकी जानकारी के लिए
आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपकी जानकारी के लिए
आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपकी जानकारी के लिए
आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपकी जानकारी के लिए
आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपकी जानकारी के लिए
आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपकी जानकारी के लिए
आपका पत्र प्राप्त हुआ। आपकी जानकारी के लिए





SEP 2010
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

K 920803

8

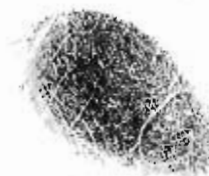
विवरण धन अदायगी :- द्वारा एकाउन्ट पेयी एक किता चैक नं0 513479 अंकन 25,20,000/- रुपये दिनांक 15-09-2010 पंजाब नेशनल बैंक, एन.आर.आई.सिटी सेक्टर-ओमेगा, ग्रेटर नौएडा, गौतमबुद्धनगर के द्वारा फरीक अव्वल (विक्रेता) ने फरीक दोयम (क्रेता) से प्राप्त कर लिये। अब कोई पैसा विक्रेता का क्रेता की ओर बाकी नहीं रहा है।

उपरोक्त लिखित दस्तावेज फरीक अव्वल व फरीक दोयम की जानकारी के आधार पर तैयार की गयी। दस्तावेज पर चस्पा फोटो गवाहों के कथन पर सत्यापित है।

AS



2



12-10-2010

सं. १५... स्टाम्प विषय की तिथि...

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन...

स्टाम्प केता का नाम व पता...

स्टाम्प की धारिता...

वीरपाल सिंह स्टाम्प विक्रेता

लॉटरी नं० 7, लॉ० की अवधि 31-3-2010

तहसील कम्पाउन्ड, दादरी

बिक्री सीमा 15000





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

M 881335

9

अति: यह विक्रय पत्र कतई लिख दिया कि प्रमाण रहे और वक्त पर काम आवे। इति॥

[Handwritten signature]



गवाह - 1



गवाह - 2



हरिऔध
हरिऔध 5/0 कोमप्रकाश
पि० तुगलपुर

महाराष्ट्र के अतिरिक्त
गोवा के अतिरिक्त

[Handwritten signature]
12/10/10

तारीख 12-10-2010 ई० मसौदाकर्ता राधेश्याम अग्रवाल, बैनामा
लेखक, दादरी (गौतमबुद्धनगर) लाइसेन्स नं०-1 राधेश्याम अग्रवाल
बैनामा नं०-1 दादरी-1
(गौतमबुद्धनगर)

12-10-2010

सं. 26 स्टाम्प विक्रय की तिथि
स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन
स्टाम्प क्रेता का नाम व पता
स्टाम्प की धनराशि 5000

वीरपाल सिंह स्टाम्प विक्रेता

सहस्रता नं 7, शा. की अवधि 31-3-2010

तहसील कम्पाउन्ड, दादरी

बिक्री सीमा 15000

आज दिनांक 12/10/10 का फाटास्ट
ति पुस्तक संख्या 379 खण्ड संख्या 2947
के पृष्ठ 390 पर क्रम संख्या 11567
पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।



उपनिषद
दादरी